केवीके संगरिया में भेड़ एवं बकरी पालन पर पाँच दिवसीय प्रशिक्षण सम्पन्न

कृषि विज्ञान केन्द्र, ग्रा.वि., संगरिया में "भेड़ एवं बकरी पालन" विषय पर पाँच दिवसीय संस्थागत प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। प्रशिक्षण में विभिन्न गांवों के 38 कृषकों ने भाग लेकर वैज्ञानिक भेड़ एवं बकरी पालन की आधुनिक तकनीकों की जानकारी प्राप्त की।

समापन अवसर पर वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. अनूप कुमार ने किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि प्रत्येक पशुपालक को भेड़ एवं बकरी पालन की शुरुआत उन्नत भारतीय नस्लों से करनी चाहिए। देशी नस्लें स्थानीय जलवायु के अनुकूल होने के साथ-साथ अधिक सहनशील होती हैं तथा भारतीय पशुधन की विशिष्ट पहचान भी हैं। उन्होंने किसानों से वैज्ञानिक प्रबंधन अपनाकर देशी नस्लों के संरक्षण एवं संवर्धन का आह्वान किया।

प्रशिक्षण के दौरान डॉ. सी. एस. शर्मा ने चारा उत्पादन एवं चारा प्रबंधन विषय पर व्याख्यान देते हुए वर्षभर संतुलित एवं गुणवत्तापूर्ण हरे चारे की उपलब्धता, पोषण प्रबंधन तथा चारा संरक्षण की वैज्ञानिक तकनीकों की विस्तार से जानकारी दी।

प्रशिक्षण के पाठ्यक्रम समन्वयक डॉ. मुकेश कुमार ने भेड़ एवं बकरी पालन के विभिन्न महत्वपूर्ण पहलुओं पर विस्तृत जानकारी प्रदान की। उन्होंने किसानों को उन्नत एवं देशी नस्लों का चयन, फार्म हेतु उपयुक्त स्थान का चयन, आवास प्रबंधन, संतुलित आहार एवं पोषण प्रबंधन, प्रजनन प्रबंधन, पशुओं की पहचान, विपणन, रोगों की रोकथाम एवं नियंत्रण, प्राथमिक उपचार तथा टीकाकरण कार्यक्रम के बारे में व्यावहारिक एवं वैज्ञानिक जानकारी दी। प्रशिक्षण के दौरान किसानों की समस्याओं का समाधान भी किया गया तथा वैज्ञानिक पशुपालन अपनाकर आय बढ़ाने के उपाय बताए गए। कार्यक्रम सहायक रघुवीर सिंह नैण ने पशुपालकों को एफपीओ की महत्ता के बारे में जानकारी दी।

प्रतिभागी किसानों ने प्रशिक्षण को अत्यंत उपयोगी बताते हुए कृषि विज्ञान केन्द्र के वैज्ञानिकों का आभार व्यक्त किया तथा अपने क्षेत्रों में वैज्ञानिक भेड़ एवं बकरी पालन अपनाकर इसे लाभकारी व्यवसाय के रूप में विकसित करने का संकल्प लिया।

वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख